2015

HINDI

(MODERN INDIAN LANGUAGE)

Full Marks : 100

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

माटी, तुझे प्रणाम!
मेरे पुण्यदेश की माटी — तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर
क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर
सुख-स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार —
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!
माटी, तुझे प्रणाम!
तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन

प्रश्न :

(क) यह कविता किस भाव से संबँधित है? 1

(ख) माटी को माथे से लगाकर कवि क्या भूल गये हैं? 1

(ग) 'अभिराम' का तात्पर्य क्या है? 1

(घ) कविता का एक शीर्षक लिखिए। 1

(ङ) कवि को युगों के वाद क्या मिला? 1

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **15**

धन के तीन उपयोग हैं — भोग, दान और नाश। धन का व्यय विलास में करने का नाम भोग है। और भोग करने से केवल क्षणिक आनंद की प्राप्ति होती है। यह दुरूपयोग है धन का। धन का सदुपयोग सुख और शांति देता है। धन के द्वारा किया गया सबसे महत्वपूर्ण कार्य परोपकार के लिए दान है। भूखों को अन्न, नंगों को वस्त्र, रोगी को दवा, अनाथ को घर-द्वार और अपाहिजों के लिए आ[illegible] के साधन आदि वस्तुएँ धन के द्वारा जुटाई जा सकती हैं? धन रहने के कारण एक अमीर आदमी को लोगों की भलाई करने के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, जो कि एक गरीब आदमी को उपलब्ध नहीं होते, चाहे वह इसके लिए कितना भी इच्छुक हो। संसार में ऐसे अमीर बहुत कम हैं जो अपना भोगविलास त्याग कर अपने धन को परोपकार में लगाते हैं। वे वास्तव में धन का सदुपयोग करते हैं। परंतु जो न धन का भोग करते हैं, उनके धन का नाश अवश्यंभावी है।

प्रश्न :

(क) धन के कितने उपयोग हैं? 1

(ख) भोग किसे कहते हैं? 1

(ग) धन के भोग में कैसा आनन्द प्राप्त होता है? 1

(घ) धन का सदुपयोग क्या है? 2

(ङ) धन के द्वारा जुटाई जाने वाली वस्तुएँ क्या हैं? 2

(च) धन का पर्यायवाची शब्द लिखिए **(किन्हीं दो)** 2

(छ) परोपकार किसे कहते हैं? 2

(ज) धन का नाश कब अवश्यंभावी है? 2

(झ) गद्यांश का एक शीर्षक लिखिए। 1

(ञ) 'भलाई' शब्द का विपरीत शब्द लिखिए। 1

3. **निम्नलिखित विषयों में से *किसी एक* पर निबन्ध लिखिए :** **10**

(क) **कंप्यूटर :** आज की जरूरत

(कंप्यूटर क्या है? भारत में कंप्यूटर — इसका उपयोग तथा इसके लाभ — दैनिक जीवन में कंप्यूटर।)

(ख) **विज्ञान** — वरदान या अभिशाप

('विज्ञान' शब्द का अर्थ — वरदान — चिकित्सा में, कृषि में, यातायात में, दैनिक जीवन में। अभिशाप — अस्त्र-शस्त्र निर्माण में — जीवन मूल्यों का पतन — उपसंहार।)

(ग) **मेरे जीवन का लक्ष्य**

(जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता, मेरा लक्ष्य — मेरी प्रेरणा के आधार — मेरे प्रयास — उपसंहार)

(घ) **परिश्रम सफलता की कुंजी है।**

(परिश्रम की अनिवार्यता — परिश्रम से विकास — परिश्रम के प्रकार — लाभ — निष्कर्ष।

4. अपने महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक शैक्षिक-यात्रा का संक्षिप्त विवरण देते हुए अपने अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए। **5**

अथवा

सड़कों की दुर्दशा पर खेद और चिंता प्रकट करते हुए नगरपालिका के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) माध्यम कितने प्रकार के हैं?

(ख) प्रिंट माध्यम किसे कहते हैं?

(ग) 'संचार' शब्द का क्या अर्थ है?

(घ) प्रिंट माध्यम में सम्पादकीय कौन लिखते हैं?

(ङ) समाचार पत्र क्या है?

6. गुवाहाटी में हो चुके भारत और श्रीलंका के एक दिवसीय क्रिकेट मेच पर एक आलेख तैयार कीजिए। 5

अथवा

भारत में दिनोंदिन बढ़ते भ्रष्टाचार पर एक फीचर लिखिए।

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजि : 8

हम तौ एक एक करि जांनां।
दोइ कहैं तिनहीं कौ दोजग जिन नाहिनं पहिचांनां।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।
एकै खाक गढ़े सब भांड़ै एकै कोंहरा सांनां।।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभैभया कछू नहिं व्यापै कहै कबीर दिवांनां।।

प्रश्न :

(क) कबीर संसार में किस एक को मानते हैं? 2

(ख) कवि ने परमात्मा की एकता किस प्रकार सिद्ध की है? 2

(ग) संसार नश्वर है, किंतु आत्मा अमर है — कवि ने कैसे समझाया? 2

(घ) कवि ने मनुष्य को क्या चेतावनी दी है? 2

अथवा

पिछले सुख की स्मृति आँखों में
क्षण भर एक चमक है लाती,
तुरत शून्य में गढ़ वह चितवन
तीखी नोक सदृश बन जाती।

प्रश्न :

(क) कविता में वर्णित 'पिछला सुख' क्या है? 2

(ख) किसान की चितवन शीघ्र ही शून्य में क्यों गढ़ जाती है? 2

(ग) 'तीखी नोक सदृश' किसान की आँखें क्यों बन जाती हैं? 2

(घ) कविता के साथ कवि का नाम लिखिए। 2

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

(क) किंतु उनसे यह न कहना,
उन्हें देते धीर रहना,
उन्हें कहना लिख रहा हूँ,
उन्हें कहना पढ़ रहा हूँ
काम करता हूँ कि कहना,
नाम करता हूँ कि कहना,
चाहते हैं लोग कहना,
मत करो कुछ शोक कहना,

प्रश्न :

(i) इन पंक्तियों में कवि ने किसे संबोधित किया है? **2**

(ii) कवि झूठ बोलकर अपनी मनोदशा को कैसे छिपा रहे हैं? **2**

(iii) कवि किन परिस्थितियों के कारण झूठ बोल रहे हैं? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) सबसे खतरनाक होता है
मुर्दा शांति से भर जाना
न होना तड़प का सब सहन कर जाना
घर से निकलना काम पर
और काम से लौटकर घर आना
सबसे खतरनाक होता है
हमारे सपनों का मर जाना
सबसे खतरनाक वह घड़ी होती है
आपकी कलाई पर चलती हुई भी जो
आपकी निगाह में रुकी होती है।

प्रश्न :

(i) कवि के अनुसार सबसे खतरनाक स्थिति कौन-सी होती है? **2**

(ii) 'सपनों का मर जाना' का अर्थ क्या है? **2**

(iii) 'मुर्दा शांति' का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) जिएँ तो अपने बगीचे में गुलमोहर के तले,
मरें तो गैर की गलियों में गुलमोहर के लिए

प्रश्न :

(i) यह पंक्ति किस कविता की है? **2**

(ii) इसमें गुलमोहर की चर्चा क्यों हुई है? क्या इस शब्द में कोई सांकेतिक अर्थ है? **2**

(iii) कवि के जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है? **2**

9. अधोअंकित काव्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : ***(किन्हीं दो के)*** 3+3=6

(क) भगत देखि राजी हुयी, जगत देखि रोयी
— इस पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए मीरा के कृष्ण प्रेम को दर्शाइए।

(ख) तुम तो कहते थे कि गांधीबाबा अच्छे हैं
बे पढ़ने लिखने की कैसे बात कहेंगे मैं तो नहीं पढ़ूँगी।
आपके विचार में चंपा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मैं तो नहीं पढ़ूँगी?

(ग) अपने चेहरे पर
सन्थाल परगना की माटी का रंग
भाषा में झारखंडीपन,
ठंडी होती दिनचर्या में
जीवन की गर्माहट
— प्रस्तुत कवितांश के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

(घ) प्रतिक्षण नूतन वेश बनाकर रंग-बिरंग निराला।
रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद-माला।
नीचे नील समुद्र मनोहर ऊपर नील गगन है।
घन पर बैठ, बीच में बिचरूँ यही चाहता मन है।
कवि की मनोदशा को स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि प्रकृति के किस सुंदर रूप पर मोहित है?

(ङ) हे भूख ! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद ! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल-पुथल
हे माह ! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद ! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत।
— कवयित्री ने कैसे सिद्ध किया कि लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं?

10. निम्नांकित गद्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *(किसी एक)* **8**

(क) नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है जो एकदिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है, वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है।

प्रश्न :

(i) यहाँ नौकरी और ओहदे की तुलना पीर के मजार से क्यों की गई है? **2**

(ii) मासिक वेतन को पूर्णमासी का चाँद क्यों कहा गया है? **2**

(iii) ऊपरी आय के बारे में लेखक ने क्या कहा है? **2**

(iv) यह उक्ति किसने और किससे कही है? **2**

(ख) धनराम की संकोच, असमंजस और धर्म-संकट की स्थिति से उदासीन मोहन तुष्ट भाव से अपने लोहे के छल्ले की त्रुटिहीन गोलाई को जाँच रहा था। उसने धनराम की ओर अपनी कारीगरी की स्वीकृति पाने की मुद्रा में देखा। उसकी आँखों में एक सर्जक की चमक थी-जिसमें न स्पर्धा थी और न ही किसी प्रकार की हार-जीत का भाव।

प्रश्न :

(i) मोहन ने लोहा ढालने की कारीगरी कैसे सीखी होगी? **2**

(ii) धनराम क्यों धर्म-संकट की स्थिति में था? **2**

(iii) मोहन की आँखों में एक सर्जक की चमक थी — लेखक ने ऐसा क्यों कहा? **2**

(iv) कहानी तथा उसके लेखक का नाम लिखिए। **2**

(ग) मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिंदुस्तान वह सबकुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज्यादा है। हिंदुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अजीज हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिंदुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और 'भारत माता की जय' से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो, और जैसे-जैसे ये विचार उनके मन में बैठते, उनकी आखों में चमक आ जाती, इस तरह मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

प्रश्न :

(i) जवाहरलाल नेहरू किसानों से अक्सर क्या प्रश्न पूछते थे और क्यों? **2**

(ii) नेहरू जी किसानों को 'भारत माता' का क्या अर्थ बताते थे? **2**

(iii) किसानों की आँखों में क्या सुनकर चमक आ गई थी? **2**

(iv) निबंध तथा लेखक का नाम लिखिए। **2**

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3+3+3+3=12**

(क) 'मियाँ नसीरुद्दीन' पाठ में मियाँ नसीरुद्दीन का शब्दचित्र लेखिका ने कैसे खींचा है?

(ख) 'पथेर पांचाली' फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

(ग) बिचारिए तो, क्या शान आप की इस देश में थी और अब क्या हो गई! कितने ऊँचे होकर आप कितने नीचे गिरे! — आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) रजा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश क्यों नहीं स्वीकार की?

(ङ) स्पीति के लोग जीवनयापन के लिए किन कठिनाइयों का सामना करते हैं?

(च) स्त्री के चरित्र की बनी बनाई धारणा से रजनी का चेहरा किन मायनों में अलग है?

(छ) 'बेचारा जामुन का पेड़। कितना फलदार था।' इन पंक्तियों से लोगों की कैसी मानसिकता का पता चलता है?

पूरक पुस्तक (वितानः भाग-I)

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2×2=4**

(क) लेखक ने 'गानपन' को लता की लोकप्रियता का मुख्य मर्म क्यों कहा है?

(ख) राजस्थान में कुंई किसे कहते हैं?

(ग) लेखिका ने किराए के मकान का कैसा वर्णन किया है?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : **3+3=6**

(क) चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए-अक्सर यह आरोप लगाया जा रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखिए।

(ख) 'निजी होते हुए भी सार्वजनिक क्षेत्र में कुंइयों पर ग्राम समाज का अंकुश लगा रहता है।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

(ग) 'तुम दूसरी आशापूर्णा देवी बन सकती हो'-जेठू का यह कथन रचना संसार के किस सत्य को उद्घाटित करता है?

14. शास्त्रीय एवं चित्रपट-दोनों तरह के संगीतों के महत्त्व का आधार क्या होना चाहिए? कुमार गंधर्व की इस संबंध में क्या राय है? स्वयं आप क्या सोचते हैं? 5

अथवा

कुंई निर्माण से संबंधित निम्नलिखित शब्दों के बारे में जानकारी दीजिए : पालरपानी, पालालपानी, रेजाणी पानी

अथवा

आलो-आँधारि रचना बेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ कई सामाजिक मुद्दों को समेटे हैं। किन्हीं दो मुख्य समस्याओं पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

———×———